आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 34 (प्रति रविवार) इंदौर, 12 मई से 18 मई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल...थोक महंगाई दर 13 महीने के टॉप पर

खाने-पीने की चीजों से लेकर साबुन-तेल जैसे डेली यूज के सामानों के दाम भी बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई के मोर्चे पर अप्रैल का महीना मिलाजुला रहा। खुदरा महंगाई की दर में राहत मिली तो थोक महंगाई एक महीने पहले के मुकाबले तीन गुना बढ़ गई। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को आंकड़े जारी कर बताया कि अप्रैल में थोक महंगाई की दर 1.26 फीसदी पहुंच गई, जो मार्च में 0.53 फीसदी थी। इस तरह एक महीने के भीतर ही थोक महंगाई की दर में 0.79 फीसदी की बढ़ोतरी दिखी है। यह महंगाई का 13 महीने का उच्चतर स्तर है। इससे पहले मार्च 2023 में थोक महंगाई दर 1.34 प्रतिशत थी। खाने-पीने की चीजों की कीमत बढने से महंगाई बढ़ी है। वहीं इससे एक महीने पहले मार्च 2024 में ये 0.53 प्रतिशत रही थी। वहीं फरवरी में थोक महंगाई 0.20 प्रतिशत और जनवरी में 0.27 प्रतिशत रही थी। जारी आंकड़ों के अनुसार महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल हो गई है। जिससे आम आदमी परेशान हैं और कंपनियां मालामाल हो रही हैं।

खाद्य महंगाई दर मार्च के मुकाबले 4.65 प्रतिशत से बढक़र 5.52 प्रतिशत हो गई। रोजाना की जरूरतों के सामानों की महंगाई दर 4.51 प्रतिशत से बढक़र 5.01 प्रतिशत हो गई है। फ्यूल और पावर की

थोक महंगाई दर -0.77 प्रतिशत से बढक़र 1.38 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर -0.85 प्रतिशत से बढक़र -0.42 प्रतिशत रही। कॉमर्स मिनिस्ट्री की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अप्रैल, 2024 में खाने-पीने की चीजें महंगी होने और ईंधन (कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस) के दाम बढने का असर थोक महंगाई पर दिखा। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट और खाने-पीने के मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट के दाम बढने से भी थोक महंगाई की दर बढ़ी है। अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इससे पहले मार्च, 2023 में थोक महंगाई की दर 1.34 फीसदी थी।

फूड इन्फ्लेशन ने दिया झटका-आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में फूड आर्टिकल की महंगाई दर मार्च के 6.88 फीसदी के मुकाबले बढक़र 7.74 फीसदी पहुंच गई। सब्जियों की कीमतों में ज्यादा उछाल दिखा और इसकी महंगाई दर 23.60 फीसदी हो गई, जो मार्च में सिर्फ 19.52 फीसदी थी। ईंधन की महंगाई दर अप्रैल में 1.38 फीसदी रही जो मार्च में शून्य से 0.77 फीसदी नीचे थी। थोक महंगाई ज्यादा होने से मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट की लागत बढ़ जाती है और इसका असर उपभोक्ताओं पर पड़ता है। थोक महंगाई का ज्यादा असर मेटल, केमिकल, प्लास्टिक और रबर जैसे प्रोडक्ट पर होता है, क्योंकि इससे मैन्युफैक्चरिंग की जाती है और लागत बढने की वजह से खुदरा दाम भी बढ़ जाता है, जिससे आम आदमी पर खुदरा महंगाई का बोझ आ जाता है।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में इजाफा-अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 56.99प्रतिशत थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97प्रतिशत रही, मार्च महीनें में यह 52.96प्रतिशत थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54प्रतिशत की नरमी आई थी, वहीं आलू की कीमतों में 30.56प्रतिशत का इजाफा हुआ था। खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52प्रतिशत बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.94प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

क्रूड पेटोलियम के थोक भाव भी बढ़े-अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64 प्रतिशत के मुकाबले बढक़र 4.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढक़र 5.01 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51 प्रतिशत थी।

खुदरा महंगाई दर में आई नरमी-विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

हाईकोर्ट में सिसौदिया की जमानत के विरोध में ईडी ने कहा-

दिल्ली शराब नीति केस में अब आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में अब आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जाएगा। ईडी के वकील ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा कि मामले की अगली चार्जशीट में हम ये करेंगे। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार 14 मई को दिल्ली हाईकोर्ट में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बात कही। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में सिसोदिया की जमानत का विरोध किया। सिसोदिया के वकील ने कहा कि ईडी और सीबीआी सिर्फ लोगों को गिरफ्तार कर रही है। ट्रायल के दौरान उनसे कोई सवाल नहीं होते। सिसोदिया की 8 मई को हुई पिछली सुनवाई में ईडी और सीबीआई के वकीलों ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा था कि हमें जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय चाहिए। 3 मई की सुनवाई में कोर्ट ने ईजी-सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही सिसोदिया को बीमार पत्नी सीमा से हफ्ते में एक बार मिलने की परमिशन भी दी थी।

सिसोदिया को पिछले साल फरवरी में गिरफ्तार किया गया था-मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने करीब 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने भी उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं। 7 मई 2024 को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ाई गई। उधर, दिल्ली कोर्ट ने एक्साइज ड्यूटी स्कैम केस में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 21 मई तक के लिए बढ़ा दी है।

शरणार्थी को भारत का नागरिक बनने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बनगांव में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 4 चरण के मतदान पूरे हो गए हैं। 380 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। बंगाल में 18 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। आज में बता कर जाता हूं 380 में से पीएम मोदी 270 सीट लेकर पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुके हैं। आगे की लड़ाई 400 पार करने की है। चिटफंड घोटाले वाले, शिक्षक भर्ती घोटाले वाले, नगरपालिका भर्ती घोटाले वाले, राशन घोटाले वाले, गाय और कोयला तस्करी करने वाले व पैसे लेकर सवाल करने वालों को जेल जाने की तैयारी कर लेनी चाहिए। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। कट मनी संस्कृति से लेकर घुसपैठ तक, बम धमाकों से लेकर भतीजा गुंडों द्वारा लोगों को परेशान करने तक, सिंडिकेट राज से लेकर घोर अराजकता तक, पश्चिम बंगाल में स्थितियां हर मोर्चे पर दुर्भाग्यपूर्ण हैं। केवल नरेंद्र मोदी जी ही हैं, जो पश्चिम बंगाल की स्थिति को बिगड़ने से बचा सकते हैं। ममता बनर्जी झूठ बोल रही हैं कि सीएए के तहत नागरिकता के लिए जो भी अर्जी करेगा, उसे तकलीफ आएगी। मतुआ समाज के लोगों को मैं आश्वस्त करने आया हूं कि किसी को कोई तकलीफ नहीं आएगी। नागरिकता भी मिलेगी और देश में सम्मान के साथ जी भी पाओगे। दुनिया की कोई ताकत मेरे शरणार्थी भाइयों को भारत का नागरिक बनने से रोक नहीं सकती, ये नरेन्द्र मोदी जी का वादा है।

संपादकीय

भारत और ईरान के बीच हुए बंदरगाह समझौता के, अंतर्राष्ट्रीय समीकरण

भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को लेकर एक समझौता हुआ है। इस समझौते के अनुसार ईरान ने 10 साल के लिए बंदरगाह संचालन का अधिकार भारत को दे दिया है। इस बंदरगाह का संचालन अब बिना किसी रोक-टोक के भारत कर पाएगा। ईरान के अंदर भारत रोड और रेलवे के लिए भी काम कर रहा है। इस समझौते के बाद भारत का माल परिवहन के क्षेत्र में, अफगानिस्तान, ओमान, खाड़ी के देशों तथा रूस के बीच में सीधा संपर्क हो जाएगा। भारत को अब पाकिस्तान के करांची और ग्वादर बंदरगाह पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ईरान के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह को भारत 2018 से विकसित करने के बाद से इसका संचालन कर रहा है। ईरान सरकार और भारत सरकार के बीच में जो समझौता हुआ है, उसके मुताबिक अगले 10 वर्ष तक भारत सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड इस बंदरगाह के समस्त कार्यों और संचालन के लिए अधिकृत हो गई है। इस बंदरगाह के समझौते के बाद भारत सरकार 37 करोड़ डॉलर का निवेश ईरान में करेगी। ईरान के ऊपर अमेरिकी प्रतिबंध लगने के बाद, ईरान अलग-थलग पड़ गया है। भारत सरकार के साथ यह समझौता कई वर्षों से लंबित था। इस समझौते का असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होना तय माना जा रहा है। जिसके कारण ईरान और भारत सरकार को फूंक-फूंक कर कदम रखने होंगे। इस समझौते का असर ईरान और पाकिस्तान के संबंधों पर भी पड़ेगा। इस समझौते के बाद भारत सरकार के साथ चीन की दूरियां बढ़ सकती हैं। भारत और रूस का व्यापार तेजी के साथ बढ़ सकता है। इस समझौते का असर भारत और अमेरिका के बीच में पड़ना तय माना जा रहा है। अमेरिका नहीं चाहता था, कि भारत सरकार, ईरान के साथ इस तरह का कोई समझौता करे। इसका असर भारत और इजरायल के संबंधों पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। भारत सरकार ने ईरान के साथ जो समझौता बंदरगाह के लिए किया है, वह भारत के लिए बहुत जरूरी था। इस समझौते के बाद खाड़ी के देशों और रूस के साथ भारत का कारोबार बढ़ेगा। कच्चे तेल और गैस के आयात में भी भारत को बड़ी सहायता मिलेगी। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के कारण यह समझौता लंबे समय से टलता चला आ रहा था। इस समझौते के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर और दक्षिण के बीच एक नया परिवहन गलियारा शुरू हो जाएगा। इस नए गलियारे के बनने के बाद चीन और पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान होगा। वहीं भारत और ईरान के कारोबार में वृद्धि होगी। इस समझौते के बाद चीन के साथ भारत की दूरियां बढ़ना तय माना जा रहा है। चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की इसे काट माना जा रहा है। इस समझौते के बाद ईरान और भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका में आ जाएंगे। ईरान में सड़क निर्माण और रेल निर्माण के क्षेत्र में भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। भारत 2018 से इस बंदरगाह के कार्गो का ऑपरेशन संभाल रहा है। 2018 में जो समझौता हुआ था, उसके अनुसार हर साल समझौते का नवीनीकरण करना पड़ता था। अब जो समझौता हुआ है, उसमें भारत के पास ज्यादा अधिकार होंगे। समझौते के अनुसार अब 10 साल के लिए भारत के पास चाबहार बंदरगाह का संचालन होगा, 10 साल बाद नवीनीकरण भी होगा। रूस के साथ अभी जो आयात निर्यात भारत का हो रहा था, उसके लिए करांची बंदरगाह पर भारत और रूस को निर्भर रहना पड़ता था। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसका असर मुक्त व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में पड़ रहा था। भारत के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही एक चिंता का विषय भी है। दरअसल भारत के इजरायल और चीन के संबंधों पर इस समझौते का असर होगा। वहीं अमेरिका की नाराजगी भी कहीं ना कहीं भारत के प्रति हो सकती है। इसके लिए भारत सरकार को सतर्कता बरतनी पड़ेगी। भारत और ईरान के हमेशा से अच्छे रिश्ते रहे हैं। निश्चित रूप से इस समझौते के कारण ईरान और भारत दोनों की आर्थिक एवं सामरिक ताकत बढ़ेगी।

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

ललित गर्ग

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं।

दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है।

पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए, तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी।

भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है, अमन चाहती है, विकास चाहती है, जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है।

दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जो एक साल बाद अब उग्र रूप ले चुका है। आंदोलन से काफी पहले पीओके के लोगों का भारत के प्रति झुकाव समय-समय पर मुखर होता रहा है। पाकिस्तान की राजनीति की दूषित हवाओं ने पीओके की चेतना एवं सोच को आन्दोलनकारी बना दिया है। सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी देखकर वहां के लोग समझ गये कि उनका शोषण एवं उत्पीडन ही हो रहा है। यही कारण है कि पिछले साल पीओके और गिलगित के लोगों ने पाकिस्तान की भेदभाव वाली नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने इलाकों को भारत के साथ मिलाने को ही अपने हित एवं शांतिपूर्ण जीवन के अनुरूप मानने लगे हैं। इसके लिये किये गये तब के प्रदर्शन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वहां के लोग 'आर-पार जोड़ दो, करगिल को खोल दो' जैसे नारे लगाते नजर आए थे। वहीं, देश भर में गेहूं के आटे की कमी, बलूचिस्तान में उग्रवाद, अफगानिस्तान के साथ सीमा संघर्ष, पाकिस्तानी तालिबान द्वारा हमलों और एक गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के साथ, पीओके में लोगों ने काफी कड़वे अनुभव किये हैं। निर्वासित पीओके नेता, शौकत अली कश्मीरी भी पीओके में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर करने के लिए दिसंबर से विभिन्न देशों में बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जिनेवा में समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि पाकिस्तान ने 1948 से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है लेकिन बदले में पीओके में लोगों को बेरोजगारी और निर्वासन मिला। अधिकांश लोगों को चिकित्सा सुविधा नहीं होने के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

पीओके के लोग चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का भी विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि गलियारे की आड़ में उनकी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया जाएगा और भारत के जवाबी हमले उन्हें झेलने पड़ेंगे। चूकि भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा, उसकी सैन्य ताकत का मुकाबला करना पाकिस्तान के लिये संभव नहीं रहा है, इसलिये बिना मतलब भारत के आक्रमण को झेलने से स्वयं को बचाने के लिये पीओके के लोग भारत में विलय को ही उचित मानते हैं। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान जिस तरह भारतीय तिरंगा लहराया जा रहा है और भारत में विलय के स्वर उठ रहे हैं, उससे भविष्य में इस विवादित क्षेत्र पर निर्णायक पटकथा लिखे जाने के आसार नजर आ रहे हैं। भारत को पीओके के घटनाक्रम पर नजर बनाए रखने की जरूरत है।

प्रेमविवाह करने वाले युवक के भाई की गोली मारकर हत्या

इंदौर। *आजाद नगर थाना क्षेत्र में 12 वीं कक्षा के छात्र मोईन खान की गोल चौराहे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के बड़े भाई ने आठ माह पहले अरिफ खिलजी की बड़ी बेटी को भगाकर प्रेम विवाह कर लिया था। बताया जाता है कि इसके बाद से दोनों परिवारों के बीच रंजिश चल रही थी।*

आरोपी मोइन को बहान से घर से बुलाकर ले गए थे। इसके बाद उसे गोली मार दी और भाग निकले। मामले में मृतक के परिजनों ने आरिफ खिलजी पर हत्या कराने का आरोप लगाया है। आजाद नगर थाना प्रभारी नीरज मेढा ने बताया कि आजाद नगर निवासी मोइन खान (18) की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उसके पिता रफीक खान पेशे से मैकेनिक हैं। उन्होंने बताया कि मोइन उनका सबसे छोटा बेटा था। सबसे बड़ा बेटा परिवार से अलग रहता है। मंझला मुबस्सिर खान सेल्समैन है, जिसने आठ माह पहले ही लव मैरिज की है। मृतक मोईन खान के पिता रफीक ने बताया कि रविवार रात को एक लड़का घर आया और बोला कि शादी के कार्ड बांटना है। मैं उसे नहीं जानता। मोइन उसे जानता था। वह लड़के के साथ चला गया। करीब 15 मिनट बाद कुछ लोग मेरे घर आए और बोले कि मोइन को किसी ने गोली मार दी है। मैं मौके पर पहुंचा तो पता लगा कि मोइन को एमवाय अस्पताल ले गए। मैं

पत्नी सबीना खान के साथ अस्पताल पहुंचा। वहां पता लगा कि मोइन की मौत हो गई है। रफीक खान ने आरोप लगाया कि मोइन की हत्या मंझले बेटे मुबस्सिर के ससुर आरिफ खिलजी ने कराई है। आरिफ कहता था कि मुबस्सिर उसकी लड़की को जबरन भगा ले गया है। उसने हमारी मर्जी के बिना बेटी से शादी की है। वह बदला लेने की बात भी कर रहा था। आरिफ ने थाने में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जब हम थाने पहुंचे तो आरिफ ने धमकी दी थी कि उसकी बेटी नहीं लौटी तो वह हमारे एक बेटे को छीन लेगा। पहले भी आरिफ मोइन पर हमला करवा चुका है। हमने आजाद नगर थाने में शिकायत की थी लेकिन वहां सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने बताया, मोइन को आजाद नगर में नूरानी मस्जिद के पास गोली मारी गई। जांच में पता चला है कि उसकी हत्या में आरिफ खिलजी निवासी स्काय अपार्टमेंट स्नेहलतागंज, नाहीद जाटू निवासी खजराना, युसुफ अंसारी निवासी बड़वाली चौकी और वसीम निवासी खंडवा ने की है। पुलिस के मुताबिक, आरिफ खिलजी चार महीने से मुबस्सिर को मारने की प्लानिंग कर रहा था। उसने इंदौर के कुछ शूटर्स से बात की थी।

सौदा नहीं तय होने पर उसने खंडवा से वसीम को हायर किया। मोइन को गोली वसीम ने ही मारी है। एक अन्य आरोपी नाहीद विजयनगर के हिस्ट्रीशीटर बदमाश मुतियार का साथी है। वही मोइन का चेहरा दिखाने वसीम के साथ गया था। नाहीद और आरिफ रिश्तेदार हैं। आजाद नगर थाना प्रभारी नीरज मेढा ने बताया कि हत्याकांड में शामिल चार आरोपियों को पुलिस ने गिर तार कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। शूटर वसीम की तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं।

कांग्रेस नेताओं पर बदमाशों को हमला

ब्लाक अध्यक्ष और दो पार्षदों पर चाकू ताने, महिलाओं-बच्चों को पीटा

इंदौर। *हत्या, लूट-डकैती के आरोपितों और हिस्ट्रीशीटर 30 से ज्यादा बदमाशों ने सोमवार शाम (कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष विनोद उर्फ बब्बू यादव के घर हमला कर दिया। चाकू-पिस्टल लेकर आए बदमाशों ने बब्बू के साथ. मारपीट की और पार्षद राजू भदौरिया, चिंटू चौकसे को चाकू दिखाकर धमकाया। बदमाशों ने पथराव कर घर के कांच फोड़ दिए। बाहर खड़ी कार और दोपहिया वाहनों में भी चाकू मारे। पुलिस ने आठ के खिलाफ नामजद एफआइआर लिखी है।*

विवाद की शुरुआत कनकेश्वरी कालेज नंदानगर पोलिंग बूथ से हुई थी। रिंकू नामक युवक द्वारा भाजपा नेताओं से बहस करने पर अमय यादव और महेंद्र चौहान ने उसकी पिटाई कर दी। गब्बू ने उन्हें समझाया तो दोनों पक्षों में तनातनी हो गई। सभापति मुन्नालाल यादव का बेटा अंकित भी पहुंचा और धमकाया। उस वक्त तो लोगों ने दोनों पक्षों को अलग-अलग कर दिया, लेकिन शाम करीब सवा पांच बजे हिस्ट्रीशीटर बदमाश लखन जाट, सूरज जाट, मोंटू यादव, हेमंत उर्फ भय्यू, आशीष पाल, आदर्श, चैरी, कौशल जाट सहित करीब 30 बदमाश बाइक से आए। बब्बू यादव नेता प्रतिपक्ष व वार्ड क्रमांक-21 के पार्षद चिंटू चौकसे और वार्ड 22 के पार्षद राजू भदौरिया के साथ आफिस में बैठे थे। बदमाशों ने आते ही चाकू निकाले और दनदनाते हुए आफिस में घुस गए। बब्बू के साथ मारपीट की और भदौरिया व चौकसे को धमकाया। आरोपितों ने पेवर ब्लाक उठाकर घर में फेंकें और खिड़की व दरवाजों के कांच फोड़ दिए। बाहर खड़ी कार, बाइकों के कांच फोड़ डाले। बाइक और स्कूटर की सीट चाकू मारकर फाड़ दी। आरोपितों ने छोटे बच्चों. महिलाओं के साथ भी मारपीट की। बब्बू के मुताबिक, आरोपितों ने एक युवती के पेट पर लात मारी और उसकी गाड़ी पर चाकू मास्कर नुकसान पहुंचाया। घटना के कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन आरोपित फरार हो गए। पूरी घटना बब्बू यादव के आफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस ने दो मामले दर्ज कर लिए हैं। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, आरोपितों की तलाश जारी है।

पानीकांड की रंजिश में हुआ हमला

बब्बू का आरोप है कि हमला भाजपा नेताओं के इशारे पर हुआ है। वे लंबे समय से पानी बेचने की शिकायत कर रहे हैं। सभापति मुन्नालाल यादव और उनके बेटे अंकित के खिलाफ कई बार शिकायतें हुई हैं। वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित किया गया था। इसी कारण उनके आफिस में हमला हुआ है। भदौरिया और चौकसे नहीं होते तो आरोपित हत्या.. भी कर सकते थे। मोंटू उनका रिश्तेदार है जो संजय यादव के साथ सुरेश गौर हत्याकांड में शामिल था।

कलेक्टर की पहल पर अनेक मतदाताओं को मिली मतदान की सुविधा

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने एक आदेश जारी कर शासकीय/ अशासकीय/ अर्द्धशासकीय/ व्यावसायिक/औद्योगिक एवं निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान की सुविधा प्रदान किये जाने के लिये सवैतनिक अवकाश दिये जाने के निर्देश दिये थे। इस आदेश को प्रभावी रूप से पालन कराने के लिये कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। अधिकारियों ने आज मतदान दिवस पर आवंटित क्षेत्रों का सघन रूप से भ्रमण कर अशासकीय/ अर्द्धशासकीय/ व्यावसायिक/ औद्योगिक एवं निजी संस्थानों की जाँच की। जाँच के दौरान कई जगह ऐसे कर्मचारी मिले जिन्होंने मतदान नहीं किया था और वह संस्थान में कार्य कर रहे थे। अधिकारियों ने निर्देश देकर उक्त कर्मचारियों को मतदान के लिए भेजा। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश का पालन नहीं करने वाले अनेक संस्थानों के विरूद्ध कार्यवाही भी की गई। कलेक्टर की इस पहल से अनेक कर्मचारियों को मतदान की सुविधा प्राप्त हुई।

मोदी सरकार की बढ़ती जा रही है तानाशाही- दिग्विजय सिंह

इन्दौर। संविधान पर मंडरा रहे संकट के बादल इंदौर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव का अलग ही महत्व है। देश के संविधान पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। केंद्र की मोदी सरकार की तानाशाही बढ़ती जा रही है। वे मंदसौर जिले के सीतामऊ में शनिवार को आयोजित चुनावी सभा में बोल रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश अनेकता में एकता का है। देश की आजादी में सभी वर्ग समुदाय का योगदान रहा है। कांग्रेस शासनकाल में देश की एकता व अखंडता के आधार पर योजनाएं बनीं, जिसका लाभ गरीब मजदूर सर्वहारा एवं दीन-दुखियों को मिलता रहा। वर्ष 2004 से 2014 तक की कांग्रेस सरकार ने सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कई कानून बनाए, जिनका लाभ मोदी सरकार नाम बदलकर ले रही है। प्रधानमंत्री भाषण देने में माहिर हैं, लेकिन उनकी कथनी-करनी में बड़ा अंतर ज है। दिग्विजय ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में दो क्विंटल सोयाबीन में एक तोला सोना मिलता था। आज 15 क्विंटल सोयाबीन में भी नहीं मिल पा रहा है। सोयाबीन एवं संतरे के भाव घटाकर सरकार ने किसानों की कमर तोड़ डाली है। किसानों को सम्मान निधि के नाम पर लूट मचा रखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार ईमानदारी का परिचायक है, जबकि मोदी परिवार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। जो भ्रष्ट नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उनके सारे कारनामे बेदाग कर दिए जा रहे हैं। सिंह ने कहा कि राम भगवान हमारे आदर्श हैं। घर-घर एवं गांव-गांव में पूजा-अर्चना आराधना करते हैं हम कांग्रेसी, लेकिन अयोध्या में जब सनातन धर्म के आधार कहे जाने वाले चारों शंकराचार्य ने विरोध किया तो कांग्रेस ने भी उनके सम्मान में अपने कदम उठा दिए, धर्म के नाम पर राजनीति करना भाजपा का काम है।

मप्र में चौथा चरण की आठ सीटों पर मतदान संपन्न

तीन सीटों पर भाजपा-कांग्रेस में टक्कर, पांच पर भाजपा मजबूत

भोपाल। *लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को मालवा-निमाड़ की आठ सीटों पर मतदान संपन्न हो गया। भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले मालवा निमाड़ की आठ सीटों में से तीन सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला रोचक है। कांग्रेस उम्मीदवार के मैदान छोडऩे के बाद इंदौर में भाजपा लीड बढ़ाने पर फोकस कर रही है। देवास, मंदसौर, खंडवा और उज्जैन सीट पर भाजपा को कोई चुनौती नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस ने चुनाव में आदिवासी बाहुल्य लोकसभा सीट झाबुआ, खरगोन और धार पर ज्यादा फोकस किया है। इन सीटों पर ही कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इन सीटों पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभाएं की।*

धार-खरगोन सीट पर दो मर्तबा से भाजपा का कब्जा है,जबकि झाबुआ लोकसभा सीट पर पिछला लोकसभा चुनाव भाजपा उम्मीदवार गुमान सिंह डामोर जीते थे। भाजपा ने धार और झाबुआ सीट पर सांसदों का टिकट काट दिया था। कांग्रेस को लग रहा है कि

लगातार भाजपा की जीत के कारण भाजपा यहां एंटीइंकमबैंसी फेक्टर का सामना कर रही है, जो कांग्रेस के लिए फायदेमंद है,जबकि भाजपा को तीनों सीटों पर परंपरागत वोटबैंक और मोदी फेक्टर पर भरोसा है। क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ी झाबुआ लोकसभा सीट पर कांग्रेस के कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया और वन मंत्री नागर सिंह चौहान की पत्नी अनिता चौहान आमने सामने है। इस सीट पर तीन मंत्री नागर सिंह चौहान, निर्मला भूरिया और चैतन्य कश्यप की प्रतिष्ठा दांव पर है। झाबुआ और आलीराजपुर से कांग्रेस को मदद की उम्मीद है तो रतलाम शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के परंपरागत वोटबैंक पर भाजपा को भरोसा है। आठों विधानसभा सीटों में सबसे ज्यादा चर्चा झाबुआ लोकसभा सीट की ही हो रही है।

रतलाम में कांटे की टक्कर

रतलाम सीट पर भाजपा ने प्रदेश सरकार के सांसद गुमान सिंह डामोर का टिकट काटकर वन मंत्री नागर सिंह की पत्नी अनीता सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने पूर्व मंत्री कांतिलाल भूरिया को मैदान में उतारा है। भूरिया पिछला चुनाव एक लाख से कम वोट से हारे थे। इस सीट से भूरिया पांच बार सांसद रहे हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बराबरी का रहा था। तीन सीट कांग्रेस और एक सीट भारत आदिवासी पार्टी ने जीती थी। जबकि चार सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। 2019 में डामोर ने भूरिया को करीब 90 हजार वोट से हराया था।

देवास में कांग्रेस नहीं दिख रही

देवास सीट पर भाजपा ने सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी को दोबारा मौका दिया है। वहीं, कांग्रेस ने राजेंद्र मालवीय को टिकट दिया है। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर भाजपा मोदी की गारंटी, राम मंदिर और हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई और पांच न्याय की गारंटी को लेकर मैदान में है। भाजपा का संगठन लगातार नीचे तक काम कर रहा है, लेकिन कांग्रेस की सक्रियता कम दिखाई दे रही है। यहां पर भाजपा सभी आठ विधानसभा सीटें जीती है। 2019 के चुनाव में महेंद्र सिंह सोलंकी ने 3.72 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी।

इंदौर में एकतरफा चुनाव

इंदौर सीट पर भाजपा ने सांसद शंकर लालवानी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय कांति बम के नामांकन वापस लेने से मुकाबला एकतरफा हो गया है। शंकर लालवानी के सामने पर अब कोई मजबूत प्रत्याशी नहीं दिख रहा है। भाजपा यहां पर मार्जिन बढ़ाने के लिए अब चुनाव लड़ रही है। यह पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव नहीं लडऩे से उन पर भी सवाल उठ रहे हैं।

खंडवा सीट भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

खंडवा सीट पर भाजपा ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने नरेंद्र पटेल को मौका दिया है। यह पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव के प्रभाव वाली सीट है। यहां पर सांसद नंद कुमार सिंह चौहान के निधन के बाद उप चुनाव में भाजपा की लीड घटकर 80 हजार रह गई। हालांकि विधानसभा चुनाव में 8 में से सात सीट पर भाजपा जीती है। बुरहानपुर में बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता हैं। ऐसे में भाजपा हिंदुत्व को आगे रखकर चुनाव लड़ रही है। 2022 के उप चुनाव में ज्ञानेश्वर पाटिल 82 हजार वोटों से चुनाव जीते थे।

धार सीट पर भी कड़ा मुकाबला

धार सीट पर भाजपा ने सांसद छतरसिंह दरबार का टिकट काट कर पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने राधेश्याम मुवैल को प्रत्याशी बनाया है। आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीट पर भाजपा को ज्यादा जोर लगाना पड़ रहा है। भोजशाला मुद्दे को भी भाजपा भुना रही है। यहां पर प्रधानमंत्री की सभा से भी पार्टी मजबूत हुई है। दूसरी तरफ कांग्रेस भी पूरा जोर लगा रही है। नेता-प्रतिपक्ष उमंग सिंघार लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। यहां पर विधानसभा चुनाव में आठ में से पांच पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। 2019 के चुनाव में छतरसिंह दरबार ने 1.56 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी।

खरगोन में कांग्रेस दे रही टक्कर

खरगोन सीट पर भाजपा ने सांसद गजेंद्र पटेल को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने पोरलाल परते को टिकट दिया है। इस एसटी के लिए आरक्षित सीट पर पोरलाल परते की आदिवासी वर्ग में गहरी पैठ है। परते को जयस संगठन का भी समर्थन मिल रहा है। गजेंद्र पटेल मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की खरगोन में सभा भी हो चुकी है। वहीं, कांग्रेस ने भी राहुल गांधी की सभा कराई है। विधानसभा चुनाव के रिजल्ट के अनुसार यहां पर कांग्रेस को बढ़त दिख रही है। कांग्रेस ने आठ में से पांच पर जीत दर्ज की है। 2019 के चुनाव में पटेल ने 2 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी।

मंदसौर में भाजपा मजबूत स्थिति में

मंदसौर सीट पर भाजपा ने सांसद सुधीर गुप्ता को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने दिलीप सिंह गुर्जर को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर भाजपा मोदी और राम मंदिर के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को आगे कर रही है। कांग्रेस का फोकस तीन लाख गुर्जर वोटरों को साधने पर है। हालांकि पार्टी की गुटबाजी भारी पड़ रही है। इस सीट पर 2009 के चुनाव को छोड़ दें तो 1989 से भाजपा का कब्जा है। 2019 में सुधीर गुप्ता ने कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन को 3.76 लाख वोटों से चुनाव हराया था।

उज्जैन में भाजपा का संगठन भारी

उज्जैन संसदीय सीट पर भाजपा ने सांसद अनिल फिरोजिया को फिर प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने महेश परमार को प्रत्याशी बनाया है। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का क्षेत्र है। यहां पर भाजपा का संगठन मजबूत है। हालांकि तराना से विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार क्षेत्र में भाजपा को टक्कर देते आए हैं। यहां पर सात में से 6 सीट पर भाजपा विधायक जीते हैं। यह उनका चौथा चुनाव है। 2019 के चुनाव फिरोजिया ने 3.65 लाख वोटों से जीता था।

कांग्रेस प्रत्याशी भूरिया बोले 2 पत्नी वालों को हर साल 2 लाख रु. देंगे, रतलाम में मंच से किया ऐलान

रतलाम। रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने गुरुवार को विवादित बयान दिया है। एक सभा में भूरिया ने कहा-जिस व्यक्ति की दो पत्नियां हैं, उसे दो लाख रुपए सालाना दिए जाएंगे। इसके अलावा कांग्रेस ने चुनावी घोषणा- पत्र में सभी महिलाओं के खाते में एक- एक लाख रुपए देने की बात कही है। गुरुवार को रतलाम के शिवगढ़ में चुनावी सभा हुई। इसमें पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मौजूद थे। कार्यक्रम में सैलाना के पूर्व विधायक हर्षविजय गेहलोत, कांग्रेस नेत्री भगवती भी थीं। पटवारी ने भी किया समर्थन, बोले- डबल फायदा होगा मंच से ही प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने भूरिया के बयान का समर्थन किया। कहा कि भूरिया ने भयंकर घोषणा कर दी। जिसकी दो पत्नियां हैं, उसको डबल फायदा होगा।

लोकसभा चुनाव बाद मप्र में होंगे विधानसभा उपचुनाव

कांग्रेस के 3 विधायकों ने पार्टी छोड़ी, 4 विधायक लड़ रहे लोकसभा चुनाव

भोपाल। *लोकसभा चुनाव के बाद मप्र की 4-8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के हालात बन सकते हैं। 2 सीटों पर उपचुनाव लगभग तय हैं, जबकि दो सीटों पर जल्द उपचुनाव के हालात बनने के संकेत मिल रहे हैं। जबकि 4 सीटों पर उपचुनाव उसी स्थिति में बनेगी, जब लोकसभा चुनावों में परिणाम कांग्रेस पार्टी के पक्ष में आते हैं। मौजूदा स्थिति में कांग्रेस के एक विधायक अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। जबकि भाजपा के एक विधायक के लोकसभा चुनाव जीतने की प्रबल संभावना है, जिसके बाद उन्हें विधायक पद से इस्तीफा देना होगा। दो कांग्रेस विधायकों ने भाजपा ज्वाइन कर ली है। लेकिन अभी तक अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। इनके इस्तीफा देने या कांग्रेस की ओर से इनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की स्थिति में सदस्यता जा सकती है और उपचुनाव की नौबत आएगी।*

यहां उपचुनाव की संभावना

जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की संभावना है उसमें छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट भी शामिल है। अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने 29 मार्च को अपने पद से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली थी। विधानसभा अध्यक्ष ने 30 अप्रैल को उनका इस्तीफा मंजूर करते हुए अमरवाड़ा सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। वहीं बुदनी से विधायक पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। चौहान के चुनाव जीतने की प्रबल संभावना है। फिर से भाजपा सरकार बनने की स्थिति में चौहान को केंद्रीय मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। ऐसे में उन्हें विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा। बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने 5 मई को भाजपा की सदस्यता ली है। हालांकि उन्होंने विधायक पद और कांग्रेस से इस्तीफा नहीं दिया है। हालांकि कांग्रेस उन पर कार्रवाई करने की तैयारी कर चुकी है। 4 जून के बाद कार्रवाई हो सकती है। विजयपुर से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक रामनिवास रावत ने 30 अप्रैल को भाजपा की सदस्यता ली थी और कांग्रेस छोड़ने का ऐलान किया। इसके बाद वे भाजपा के पक्ष में प्रचार भी करते नजर आए। लेकिन उन्होंने भी न तो विधायक पद से और न कांग्रेस से इस्तीफा दिया। वे बार-बार बयान बदलने से सुर्खियों में हैं। कांग्रेस ने सतना लोस सीट से विधायक सिद्धार्थ कुशवाह को प्रत्याशी बनाया है जिन्होंने भाजपा प्रत्याशी सांसद गणेश सिंह को विस चुनाव में हराया था। इस चुनाव में भी कुशवाह ने अच्छी टक्कर दी है। वे जीते तो विस सीट छोड़नी होगी। कांग्रेस ने विधायक ओमकार सिंह मरकाम को मंडला लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। मरकाम ने यहां कड़ी टक्कर दी है। केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भाजपा से मैदान में हैं जो निवास सीट से विस चुनाव में कांग्रेस से हार गए थे। परिणाम पक्ष में आया तो मरकाम को डिंडोरी सीट छोड़नी होगी। कांग्रेस विधायक फुंदेलाल मार्को शहडोल लोकसभा से लड़ रहे हैं। मार्को की गोंड जनजातीय वर्ग में अच्छी साख है, उनके सामने मौजूदा सांसद हिमाद्री सिंह हैं। परिणाम कांग्रेस के पक्ष में गया, तभी पुष्पराजगढ़ से मार्को इस्तीफा देंगे। कांग्रेस ने तराना से तीन बार के विधायक महेश परमार को उज्जैन लोकसभा सीट से उतारा है। भाजपा के अनिल फिरोजिया दूसरी बार मैदान में हैं। फिलहाल यहां बढ़त भाजपा की ही नजर आ रही है। परमार जीते तो विधायक पद से इस्तीफा देकर लोकसभा सीट को तवज्जो देंगे।

पश्चिम बंगाल में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा

3 हजार होगी लाड़ली बहना की राशि

भोपाल। *पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर कहा कि मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाकर तीन हजार रुपए तक ले जाएंगे।*

यह बात उन्होंने पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- मैं मप्र का चार बार मुख्यमंत्री रहा। हर कार्यक्रम की शुरुआत बेटी की पूजा करके करता हूं। क्योंकि, बेटियां दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती हैं। स्थानीय निकाय के चुनाव में बेटियों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। बेटियों की शादी मप्र की सरकार कराएगी। प्रदेश में 1 करोड़ 32 लाख बहनों के खातों में अभी हम 1250 रुपए हर महीने डाल रहे हैं। इसे बढ़ाते हुए तीन हजार रुपए महीना तक ले जाने वाले हैं। लगातार उस राशि को बढ़ा रहे हैं। कारण- हमारी बहनों को छोटे-छोटे कामों के लिए हाथ न फैलाने पड़ें। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- नकल तो ममता दीदी ने भी की है, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मां बहन और बेटी का सच्चा सम्मान ममता दीदी ने किया है? ममता दीदी मप्र में हमने कानून बनाया कि बहन बेटी के साथ कोई गलत नजर से देखेगा, तो फांसी पर चढ़ा दिया जाएगा। मप्र में 49 लोगों को फांसी की सजा हुई है। ममता दीदी ने पश्चिम बंगाल को कलंकित किया-शिवराज सिंह चौहान ने ममता दीदी को शर्म आना चाहिए। तुमने पश्चिम बंगाल की धरती को कलंकित करने का पाप किया है। यहां संदेशखाली जैसी घटना हुई, शेख शाहजहां जैसे बहन बेटी की अस्मत से खेल रहे हैं। ममता दीदी उन्हें बचाने की कोशिश कर रही हैं। तुम्हें काली मैया भी माफ नहीं करेंगी। आज मैं क्रांति का संदेश लेकर आया हूं।

पूर्व सीएम ने कहा

जनता तय कर चुकी है कि ममता बनर्जी अब वापस नहीं आने वाली। 4 जून से हम टीएमसी की प्रदेश सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प पर काम शुरू कर देंगे। टीएमसी का मतलब तोड़ो, मारो और काटो, ये ममता नहीं है। ममता तो स्नेह से भरी रहती है। ये तो निर्ममता है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- इंडी गठबंधन परेशान है। जिसमें अकेले ममता दीदी शामिल नहीं कांग्रेस भी शामिल है। इंडी गठबंधन का मतलब क्या है?

प्रदेश में चार चरणों में मतदान प्रक्रिया पूर्ण

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न होने पर सभी का आभार व्यक्त किया

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मध्यप्रदेश के सभी 29 संसदीय क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न होने पर प्रदेश के सभी मतदाताओं, राजनैतिक दलों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा दलों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में शांतिपूर्ण मतदान कराने में सभी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्री राजन ने सभी मतदान केन्द्रों में मतदाताओं के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करने वाले सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों की भूमिका की भी सराहना की है।

चौथे चरण में 71.72 प्रतिशत हुआ मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि मध्यप्रदेश लोकसभा निर्वाचन-2024 के चौथे चरण में प्रदेश के आठ लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान हुआ। श्री राजन ने बताया कि सभी आठ लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में (अनंतिम जानकारी अनुसार) 71.72 प्रतिशत मतदान हुआ है। उन्होंने बताया कि लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-21 देवास (अजा) में 74.86 प्रतिशत, क्र.-22 उज्जैन (अजा) में 73.03 प्रतिशत, क्र.-23 मंदसौर में 74.50 प्रतिशत, क्र.-24 रतलाम (अजजा) में 72.86 प्रतिशत, क्र.-25 धार (अजजा) में 71.50 प्रतिशत, क्र.-26 इंदौर में 60.53 प्रतिशत, क्र-27 खरगौन (अजजा) में 75.79 प्रतिशत एवं क्र.-28 खंडवा में 70.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

सीबीएसई परीक्षा परिणामों में जनजातीय विद्यार्थियों ने मारी बाजी

रात में भी लगाई एक्स्ट्रा क्लास, 100 प्रतिशत विद्यार्थी हुए पास

भोपाल। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन मध्यप्रदेश में संचालित 62 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ई.एम.आर.एस.) में सी.बी.एस.ई. की 10वीं की परीक्षा के परिणामों में जनजातीय बालिकाओं ने 77 प्रतिशत के साथ बाजी मारी है। वहीं, 12वीं कक्षा में बालक व बालिकाओं के परीक्षा परिणाम एक-दूसरे के बराबर रहे। मध्यप्रदेश के 28 जिलों में इन विद्यालयों का संचालन जनजातीय कार्य विभाग की मध्यप्रदेश स्पेशल एंड रेसिडेंशियल अकेडमिक सोसायटी (एमपीसरस) द्वारा किया जाता है। इसमें 10वीं कक्षा में डिंडौरी और 12वीं कक्षा में छिंदवाड़ा जिला अग्रणी रहा है। 12वीं की टॉप-10 सूची में छिंदवाड़ा अव्वल-प्रदेश के 28 जिलों में संचालित एकलव्य आदर्श विद्यालयों की 12वीं कक्षा की टॉप-10 सूची में तीन स्थान पाकर छिंदवाड़ा जिला अव्वल रहा है। वहीं 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों में ई.एम.आर.एस. सिंझौरा (मंडला), जुन्नारदेव (छिंदवाड़ा), केसला (नर्मदापुरम) और सिंगारदीप (छिंदवाड़ा) शामिल है।

भाजपा की शिकायत पर देवास में पीठासीन अधिकारी सस्पेंड

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में स्थापित वार रूम द्वारा देवास के एक मतदान केंद्र के एक पीठासीन अधिकारी की शिकायत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की गई थी। इस शिकायत के आधार पर पीठासीन अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में चुनाव के मद्देनजर वॉर रूम बनाया गया है। वॉर रूम में देवास से जानकारी मिली कि केंद्रीय स्कूल स्थित बूथ क्रमांक 69 में मुस्लिम समाज की महिलाएं बिना बुर्का उठाए वोट कर रही हैं। फर्जीवाड़े की आशंका को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पहले स्थानीय प्रशासन से महिला कांस्टेबल को तैनात कर पहचान-पत्र से महिलाओं की पहचान बुर्का उठाकर करने की मांग की, लेकिन बार-बार शिकायत के बाद भी पीठासीन अधिकारी ने शिकायत को नजरअंदाज किया। इसके बाद प्रदेश कार्यालय के वॉर रूम से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सारी स्थिति से अवगत कराया गया। शिकायत के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीठासीन अधिकारी को संस्पेंड कर दिया।

Bollywood Update

कृति सेनन अपने लाइफ पार्टनर में चाहती हैं ये खूबियां

इस साल की शुरुआत से ही कृति सेनन अपनी फिल्मों को लेकर जबरदस्त लाइमलाइट में बनी हुई हैं। क्रू एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बाहिया संग अपने डेटिंग रूमर्स के कारण भी चर्चा में बनी हुई हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया है कि वो किसे डेट कर रही हैं। इस बीच अब उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ नई अपडेट सामने आई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उनका होने वाला आइडियल पार्टनर कैसा होगा।

कृति सेनन का आइडियल पार्टनर

फिल्म कंपेनियन के साथ एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री कृति सेनन से पूछा गया कि उन्हें कैसा आइडियल पार्टनर चाहिए। एक्ट्रेस ने हंसते हुए कहा, मुझे नहीं पता। क्या पता जैसा मैं चाहती वैसा कोई है भी या नहीं? इसके बाद वह कहती है, मुझे लगता है कि हम खुद पर बहुत अधिक दबाव डालते हैं जैसे कि मुझे यह लड़का चाहिए, ऐसा लड़का चाहिए, वैसा लड़का चाहिए। मुझे लगता है जो सही होगा मिल जाएगा।

ऐसा लाइफ पार्टनर चाहती हैं कृति सेनन

कृति सेनन ने खुलासा किया कि वह ऐसा पार्टनर चाहती है, जो मुझे हंसा सके, जिसके साथ मेरी बहुत अच्छा बॉन्ड हो... जो घंटों मुझे से बात कर सके, जो मेरा और मेरे काम का सम्मान करे और मुझे लगता है कि ये चीजें मेरे लिए बहुत जरूरी है। रिश्ते में ईमानदारी होनी चाहिए। उस शख्स में अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर होना चाहिए और हां केयरिंग होनी चाहिए। हमेशा प्यार के लिए समय निकालना चाहिए। प्यार खूबसूरत होता है,. प्यार कॉम्पलेक्स नहीं होता है।

आपको बता दें कि कबीर के साथ कृति के रिश्ते की अफवाह उस समय सामने आईं जब दोनों ने लंदन में एक साथ होली मनाई थी। उनकी तस्वीरें माइक्रोब्लॉगिंग साइट रेडिट पर सामने आईं और प्रशंसकों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि कृति और कबीर डेटिंग कर रहे हैं। कबीर लंदन के एक बड़े बिजनेसमैन के बेटे हैं। हालांकि, न कृति और न ही कबीर ने इन अटकलों पर ध्यान दिया है न ही रिएक्ट किया है।

कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की अटकलों पर लगा ब्रेक

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने साल 2021 में बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल के साथ शादी की थी। विक्की कौशल और कटरीना कैफ की शादी को दो साल से ज्यादा का समय हो गया है। कटरीना कैफ को लेकर आए दिन अटकलें लगती हैं कि वह प्रेग्नेंट हैं। एक बार फिर कटरीना कैफ की एक वायरल तस्वीर को देखकर कयासबाजी हो रही है कि प्रेग्नेंट हैं। दरअसल, कटरीना कैफ की जो तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है उसमें वह हाथ में कॉफी लेकर पेट के पास हाथ रखकर पोज दे रही हैं। इसके बाद लोगों ने कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी का अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि वह पहले बच्चे को लेकर प्रेग्नेंट हैं। इतना ही नहीं सोशल मीडिया यूजर्स ने यहां तक कि अनुमान लगाया कि विक्की कौशल अपनी प्रेग्नेंट पत्नी कटरीना कैफ से मिलने के लिए लंदन रवाना हो गए। आइए जानते हैं कि कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की खबरों में कितनी सच्चाई है।

एक करीबी सोर्स ने बताया, विक्की कौशल के साथ शादी के बाद से कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की अफवाहें कई बार आ चुकी हैं। फैंस को इन अटकलों पर विश्वास करना बंद कर देना चाहिए और सिर्फ कपल के द्वारा उनसे जुड़ी जानकारी की घोषणा का इंतजार करना चाहिए। कटरीना कैफ प्रेग्नेंट नहीं हैं और फिलहाल उन्होंने और विक्की कौशल ने अपनी फैमिली प्लानिंग के बारे में नहीं सोचा या चर्चा नहीं की है। इस तरह से साफ हो गया है कि कटरीना कैफ प्रेग्नेंट नहीं हैं।

जब जॉन ने दिया था बिपाशा को धोखा

बॉलीवुड इंडस्ट्री में आए दिन सेलिब्रिटीज के रिश्ते बनते और बिखरते हैं। कई ऐसे कपल्स हैं जिनको फैंस ने काफी पसंद किया लेकिन अंत में इनका रिश्ता टूट गया। इस लिस्ट में जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु भी शुमार हैं। जिन्होंने 9 साल तक एक दूसरे को डेट किया केवल गलती की वजह से ये रिश्ता खत्म हो गया। बिपाशा बसु और जॉन अब्राहम की लव स्टोरी फिल्म जिस्म से शुरू हुई थी। दोनों की सेट पर मुलाकात हुई और फिर एक दूसरे के करीब आ गए। उस दौरान दोनों हर बॉलीवुड पार्टी और कई इवेंट्स में साथ नजर आते थे। हर किसी को लगने लगा था कि दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। लेकिन इस कपल की लव स्टोरी भी हमेशा के लिए अधूरी रह गई। कहा जाता है कि बिपाशा जॉन से शादी करना चाहती थीं लेकिन वह बिल्कुल भी इस रिश्ते को नाम देने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे जिस वजह से एक्ट्रेस ने बाद में इस रिश्ते को खत्म कर दिया। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी बताया गया है कि जॉन अब्राहम की एक गलती की वजह से ये साल 9 साल का रिश्ता पलभर में खत्म हो गया था। दरअसल नए साल के मौके पर जॉन अब्राहम ने एक ट्वीट किया था। जिसमें लिखा था कि, इस साल आपकी जिंदगी में बहुत सारा प्यार और खुशियां आएं... लव जॉन और प्रिया अब्राहम। जॉन ने गलती से ये ट्वीट किया जो कि उन्हीं पर भारी पड़ गई। एक्टर के इस ट्वीट के बाद बवाल मच गया और बिपाशा को लगा कि वह उन्हें धोखा दे रहे हैं और कुछ दिनों बाद खबर आई कि दोनों का ब्रेकअप हो गया।

एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि बिजनेसवुमन भी है सनी लियोनी

सनी लियोनी ना सिर्फ एक्ट्रेस हैं बल्कि वो बिजनेसवुमन भी हैं। उनके कई बिजनेस हैं जिनसे उनकी इनकम होती है। इसके अलावा उनके हसबैंड का भी बिजनेस अच्छा चलता है। उनके पति डेनियल एक बेहतरीन म्यूजिशियन भी हैं। ऐसा बताया जाता है कि सनी और डेनियल की मुलाकात एक इवेंट के जरिए ही हुई थी। सनी लियोनी के करियर की शुरुआत विदेशी फिल्मों से हुई थी लेकिन साल 2010 में उन्होंने वो इंडस्ट्री छोड़ दी और हमेशा के लिए भारत आ गईं। हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए सनी लियोनी ने बहुत मेहनत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी लियोनी एक फिल्म का 1 से 3 करोड़ रुपये फीस लेती हैं। वहीं एक गाने के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। सनी लियोनी के पास 115 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

शैल्बी हॉस्पिटल में

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर हेल्थ वारियर्स का सम्मान

इंदौर।

किसी रोगी की बेहतरी में जितना योगदान डॉक्टर का होता है उतना ही नर्सेस का भी होता है। वे हर तरीके से रोगी की देखभाल करते हैं। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर इंदौर के शैल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में नर्सेस को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ हॉस्पिटल की नर्सेस, डॉक्टर्स, रोगी और उनके परिवारों सहित कई लोग शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शैल्बी हॉस्पिटल की नर्सों का हॉस्पिटल मैनेजमेंट द्वारा सम्मान किया गया और उनके कार्यों के लिए उनकी सराहना की गई।

शैल्बी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स के सीएओ डॉ अनुरेश जैन एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ विवेक जोशी ने इस अवसर पर सभी नर्सों को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की बधाई दी और उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा, "नर्सिंग एक महान पेशा है जो जीवन बचाता है और लोगों को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नर्सें हमारे समाज के आधार स्तंभ हैं। वे रोगियों की देखभाल और उनका ध्यान रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। उनकी सेवाएं अमूल्य हैं और हम उनके योगदान के प्रति सदैव आभारी रहेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से शैल्बी अस्पताल ने अपने नर्सों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा सभी नर्सों को सम्मान पत्र और उपहार दिए गए।

ल्यूपस एक प्रोटोटाइप ऑटोइम्यून बीमारी

इंदौर।

आज की दुनिया में कई तरह की बीमारियों की पहचान की गई है, आम लोग इनके बारे में जानते भी हैं लेकिन दुर्भाग्य से, यह रुमेटोलॉजिकल रोगों के मामले में सच नहीं है क्योंकि इन बीमारियों से पीड़ित बहुत से लोगों में जागरूकता की कमी होती है। ऐसी ही एक बीमारी है सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एसएलई) जिसे कभी-कभी केवल ल्यूपस के नाम से जाना जाता है। एसएलई के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों के बीच मौजूद भ्रांतियों को दूर करने के लिए, हर साल 10 मई को विश्व ल्यूपस दिवस मनाया जाता है। इसके शुरुआती लक्षणों की पहचान और इलाज के लिए मई के पूरे महीने को ल्यूपस जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। इसके अलावा, ल्यूपस दिवस उन रोगियों का समर्थन और सराहना करने के लिए भी मनाया जाता है, जो इस बीमारी के खिलाफ सतत रूप से लड़ रहे हैं और जिन्होंने इस बीमारी के खिलाफ कभी हार नहीं मानी है।

इंदौर के मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के कंसल्टेंट रूमेटोलॉजिस्ट डॉ. गौतम राज पंजाबी के अनुसार, सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एसएलई) एक ऑटोइम्यून रोग का सटीक उदाहरण है, जिसमें शरीर में ऑटोएंटीबॉडी बनने के कारण यह एंटीबॉडी अपने खुद की स्वस्थ कोशिकाओं, टिश्यु और अंगों पर हमला कर नुकसान पहुंचाती है। यह मुख्य रूप से किशोर लड़कियों और मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं को प्रभावित करता है। हालांकि, पुरुषों और बच्चों में यह रोग गंभीर हो सकता है। इस बीमारी के लक्षण हर मरीज में अलग अलग हो सकते हैं और इसी तरह बीमारी की गंभीरता भी अलग अलग हो सकती है उदारहण के लिए किसी के लिए सामान्य तो किसी के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। क्योंकि इस रोग के लक्षणों और उनकी गंभीरता हर रोगी में अलग अलग होती हैं इसलिए निदान और उपचार में भी देरी हो सकती है। आम लक्षणों में लंबे समय तक बुखार रहना, थकान, वजन और भूख कम लगना, चेहरे पर तितली के आकार का चकत्ता, बार-बार मुंह में छाले होना, जोड़ों में दर्द या सूजन शामिल हैं। किडनी, हृदय, मस्तिष्क, स्पाइनल कॉर्ड, रक्त कोशिकाएं, लिवर, पेट, आंखें और फेफड़े जैसे अन्य अंग भी इससे प्रभावित हो सकते हैं।

डॉ पंजाबी ने आगे कहा, ल्यूपस का पता मुख्य रूप से रक्त परीक्षणों के माध्यम से लगाया जाता है। इन जांचों में लक्षणों के आधार पर एंटीन्यूक्लियर एंटीबॉडी (एएनए), एंटी डीएसडीएनए एंटीबॉडी, एंटी-स्मिथ एंटीबॉडी और रक्त में कम्पलीमेंट लेवल (सी3, सी4) की जांच शामिल होती है। ल्यूपस होने के बाद जितना अधिक से अधिक बचाव किया जाए उतना बेहतर है जैसे धूप से बचें, बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें, धूप से बचने के लिए शरीर को पर्याप्त रूप से ढंके, धूम्रपान बंद करें एवं सावधानी के तौर पर कुछ दवाओं या गोलियों के सेवन बंद किया जा सकता है। ट्रीटमेंट प्लान में इम्यूनोसप्रेसेंट दवा अंगों को हुई क्षति और उसकी गंभीरता पर आधारित होती है। इसके अलावा इस रोग से संबंधित जटिलताओं जैसे संक्रमण, ऑस्टियोपोरोसिस, किडनी फेलियर, हृदय रोग (इस्केमिक हार्ट डिजीज) या कैंसर आदि के लिए समय पर जांच की जानी चाहिए।

मेदान्ता हॉस्पिटल का नर्सेस को आभार, स्वास्थ्य क्षेत्र में भूमिका अहम

इंदौर। 12 मई को फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती है। आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक मशहूर नर्स और समाज सुधारक फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने क्रीमियन युद्ध के दौरान घायल ब्रिटिश सैनिकों के लिए युद्ध के दौरान घायल ब्रिटिश सैनिकों के लिए एक नर्स के रूप में काम किया था। युद्ध के दौरान उन्होंने सैनिकों की खूब सेवा की, घायल सैनिकों की देखभाल करने के लिए वे रात में हाथ में दीपक लेकर निकलती थी जिस वजह से उन्हें द लेडी विद द लैंप के नाम से भी जाना जाता है। उनके सम्मान में वर्ष 1965 में, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज- आईसीएन बार ने हर साल 12 मई को दिन मनाने का फैसला किया। इसके बाद जनवरी 1974 के महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति डेविड डी आइजनहावर ने इस दिवस को मनाने की आधिकारिक घोषणा की, तब से हर साल 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। इंदौर के मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के नर्सिंग डिप्टी नर्सिंग सुपरिन्टेन्डेन्ट जोबिन सी थॉमस के अनुसार, एक मरीज को ठीक करने में पूरी टीम का भरपूर योगदान होता है। नर्सेज़ फ्रंटलाइन वर्कर हैं इलाज के दौरान और इसके बाद नर्सों द्वारा भी मरीजों के लिए कई काम किए जाते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। नर्सेज़ दिन-रात मरीजों की देखभाल और सेवा करते हैं। उनका जितना भी आभार व्यक्त किया जाए कम है। मेदांता हॉस्पिटल नर्सेज़ की सेवा, साहस और उनके सराहनीय कार्यों का सम्मान करते हैं।

हैंड वॉश के दौरान अधिकतर लोग नाखूनों की क्लीनिंग पर फोक्स नहीं करते हैं, जिससे नाखूनों में पिनवॉर्म जैसे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। नाखून की स्वच्छता हैंड हाइजीन का अहम हिस्सा है। नाखून की साफ सफाई रखने से बैक्टीरिया को शरीर में फैलने से रोका जा सकता है।

नाखूनों में भी छिपे हो सकते हैं कीटाणु, सही हैंड हाइजीन के लिए रखें इन्हें क्लीन

महिलाएं अक्सर हाथों की साफ सफाई के अलावा हाथों की त्वचा को लेकर चिंतित नज़र आती हैं। मगर हैंड हाइजीन तब तक अधूरी है, जब तक नाखूनों की साफ सफाई का उचित ख्याल न रखा जाए। इसके लिए नाखूनों की क्लीनिंग से लेकर ट्रीमिंग तक सभी चीजें बेहद ज़रूरी हैं। दरअसल, हैंड वॉश के दौरान लोग अधिकतर नाखूनों की क्लीनिंग पर फोक्स नहीं करते हैं, जिससे नाखूनों में पिनवॉर्म जैसे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। कुछ भी खाते वक्त वो हमारे पेट में पहुंचकर किसी बड़ी बैक्टीरियल इंफेक्शन का कारण साबित होते हैं। जानते हैं कैसे नेल हाइजीन हाथों की स्वच्छता को प्रभावित करती है।

वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे 2024

हर साल 5 मई को वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे के रूप में मनाया जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन की ओर से साल 2009 में सेव लाइव्स क्लीन हैंड कैंपने की शुरूआत की गई थी। उसी के तहत हर साल इस खास दिन पर हैंड हाइजीन को मेंटेन रखने के लिए हाथ धोने के नियमों की जानकारी दी जाती है। इस मौके पर विश्वभर में जगह जगह सेमिनार और वर्कशॉप्स के ज़रिए लोगों को हैंड हाइज़ीन को बनाए रखने की विशेष जानकारी दी जाती है।

सालाना मनाए जाने वाले इस खास दिन पर लोगों को हाथ धोने के महत्व को समझाया जाता है। इस साल वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे की थीम प्रोमोटिंग नॉलेज एंड कपेसिटी बिल्डिंग ऑफ हेल्थ केयर वर्कर्स थ्रू इनोवेटिव इम्पेक्टफुल ट्रेनिंग एंड एजुकेशन है।

नाखूनों में पिनवॉर्म जैसे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। कुछ भी खाते वक्त वो हमारे पेट में पहुंचकर किसी बड़ी बैक्टीरियल इंफेक्शन का कारण साबित होते हैं।

इंदौर में उत्साह के साथ शांतिपूर्ण रूप से हुआ मतदान

दिव्यांग, युवा -बुजुर्ग और दूल्हे ने भी लोकतंत्र महायज्ञ में दी आहूति

इंदौर। *लोकसभा निर्वाचन के लिये इंदौर जिले में सोमवार को उत्साह के साथ शांतिपूर्ण रूप से मतदान हुआ। इंदौर में सोमवार को मतदान के लिये सुबह से ही उत्साह देखा गया। जिले के सभी 2677 मतदान केन्द्रों पर सुबह निर्धारित समय पर मॉकपोल हुआ। इसके ठीक पश्चात सुबह 7 बजे से मतदान प्रारंभ हो गया। सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतार थी। महिला-पुरूष की अलग-अलग कतारों में समान संख्या देखी गई। मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। जिले में क्या बुजुर्ग, क्या दिव्यांग, सभी आयु वर्ग के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। पहली बार मतदाता सूची में नाम शामिल होने के पश्चात युवाओं ने भी मतदान में हिस्सा लिया। उक्त सभी मतदाताओं ने मतदान केन्द्रों पर की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। अनेक मतदाताओं के लिये इस बार का मतदान एक यादगार क्षण बन गया।*

बुजुर्ग दम्पत्ति ने मतदान कर अपनी शादी की सालगिरह मनाई

इंदौर के एबी रोड पर स्थित इंदौर पब्लिक स्कूल (आईपीएस) में आज सुबह एक बुजुर्ग दम्पत्ति अपने बेटे-बहू और बेटी के साथ मतदान केन्द्र पर पहुंचे। यहां वे एकत्रित हुए और मतदान कर बुजुर्ग दम्पत्ति श्री राधेश्याम सोहनी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री सोहनी की शादी की 49वी सालगिरह का जश्न मनाया। उक्त दंपत्ति के साथ पुत्र श्री उत्कर्ष सोहनी, बहू डॉ. गरिमा सोहनी और पुत्री अनुभूति सोहनी ने भी मतदान किया। इनका कहना था कि आज का दिन हमारे लिए यादगार क्षण हो गया है। लोकतंत्र के महायज्ञ में शामिल होकर मतदान कर हमने एक पुण्य का काम किया है।

दिव्यांग ब्राण्ड एम्बेसेडर विक्रम अग्निहोत्री ने पैरों से किया मतदान

दोनों हाथ नहीं होने की दिव्यांगता को विक्रम अग्निहोत्री ने कभी भी अशक्तता एवं किसी कार्य में रूकावट महसूस नहीं की। अपनी जीवटता से उन्होंने हर उस कार्य को अंजाम दिया जो उन्होंने चाहा। हर चुनाव में वे अपने पैरों की उंगलियों का उपयोग कर मतदान करते आये हैं। उनकी इस जीवटता को देखकर निर्वाचन आयोग द्वारा उन्हें दिव्यांग ब्राण्ड एम्बेसेडर भी बनाया गया है। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान कर उन्होंने सभी मतदाताओं के लिए एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्री विक्रम ने अपने पिता सेवानिवृत्त आईजी श्री विनयकांत अग्निहोत्री के साथ स्कूल स्कीम 78 में स्थित इटमा स्कूल में बने मतदान केन्द्र में मतदान किया।

वैष्णवी के लिए भी सोमवार का दिन बना यादगार

कक्षा 12वी में पढ़ने वाली एक बालिका वैष्णवी मनोज यादव के लिए भी आज का दिन यादगार हो गया। मतदाता सूची में नाम जुड़ने के पश्चात लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने के लिए पुलिस पब्लिक स्कूल स्थित मतदान केन्द्र वह पहुंची। बड़े उत्साह के साथ उसने मतदान किया। उसने बताया कि मतदान करने का मेरा सपना आज पूरा हो गया है। मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि आगे आने वाले सभी चुनावों में जरूर मतदान करूं। मतदान करना हमारा परम कर्तव्य है। लोकतंत्र ने हमें यह सबसे बड़ी ताकत दी है।

सुविधाओं से अभिभूत हुए मतदाता

मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध करायी गई सुविधाओं से मतदाता बेहद खुश दिखायी दिये। लाबरिया भेरू में रहने वाली सपना, प्रियंका, राजेश और अनिल ने आज रामकृष्ण बाग स्थित मतदान केन्द्र पर मतदान किया। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्र को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया गया। हमको बैठने के लिए छायायुक्त वेटिंग एरिया भी मिला। यहां बैठने के लिए पर्याप्त टेबल और कुर्सियां थी। हवा के लिए कूलर भी लगाये गये थे। पीने के लिए ठण्डा पानी था। मतदान केन्द्रों पर बहुत ही अच्छी व्यवस्थाएं थी।

दिव्यांग बालिका दुर्गा ने किया उत्साह से मतदान

एक दिव्यांग बालिका दुर्गा बैरागी ने लोकतंत्र के प्रति अपने उत्साह को कायम रखा। दिव्यांगता को बाधक नहीं बनने दिया। वह स्वयं अपने घर से मतदान केन्द्र तक चलकर आयी। उत्साह से मतदान किया। उसने बताया कि मैं पिछले नगर निगम और विधानसभा के चुनावों में भी मतदान कर चुकी हूं। मतदान के सिलसिले को मैंने इस बार के लोकसभा चुनाव में भी कायम रखा। आज मतदान किया और मैंने प्रण किया है कि आने वाले सभी चुनावों में भी मतदान अवश्य करूंगी।

मतदाताओं को पिलायी गई छाछ, केरी पना, आमरस पोहे जलेबी भी

कई मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए शीतल पेय की व्यवस्था की गई थी। महू के मतदान केन्द्र जोशी गुराडिया में मतदाताओं के लिए शीतल जल के साथ ही छाछ की भी व्यवस्था की गई थी। इसी तरह कई मतदान केन्द्रों पर आमरस, रसना, केरी पना, शरबत, गन्ना रस की भी व्यवस्था की गई। इसी तरह छप्पन दुकान सहित अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों के व्यापारियों ने भी पोहे-जलेबी सहित अन्य खाद्य पदार्थ मतदाताओं को मतदाताओं को निःशुल्क दिये।

70 दृष्टि दिव्यांग बालिकाओं ने एक साथ मतदान कर अनुकरणीय उदाहरण

महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ में रहने वाली 70 दृष्टि दिव्यांग बालिकाओं ने भी मतदान में हिस्सा लेकर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। मतदान के लिए इन दृष्टि दिव्यांगों को एक साथ बस में बैठाकर बाम्बे हॉस्पीटल के पास रिंग रोड स्थित ग्रीन फील्ड स्कूल में बने मतदान केन्द्र लाया गया। यहां उनसे मतदान कराया गया। दिव्यांग मतदाताओं ने एक साथ मतदान कर अपनी जीवटता और लोकतंत्र के प्रति विश्वास का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

मतदाताओं को मिली ई-रिक्शा की सुविधा

इंदौर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को अनेक सुविधाएं उपलब्ध करायी गई। ऐसे मतदाता जिन्हें मतदान केन्द्र तक आने-जाने में दिक्कत थी, उनकी सुविधा के लिए उन्हें ई-रिक्शा सहित अन्य वाहनों की सुविधा दी गई।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)